

/font>

Title: Reported drying up of Beatle, Tulsi and Sesum plantations in Bihar and West Bengal.

**श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव :** उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से एक तात्कालिक महत्वपूर्ण विषय की ओर सदन का ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूँ। (व्यवधान) मैं आपके क्षेत्र हाजीपुर की बात भी बोल रहा हूँ, पासवान जी, आप सुनिये। अगर सुनियेगा नहीं तो कैसे काम चलेगा। (व्यवधान) मंदिर तो ये लोग सालों में नहीं बना सकेंगे। आप पहले हमारी बात सुन लीजिए। (व्यवधान) मंदिर का इश्यू खत्म होगा तो ये लोग बचेंगे क्या? वह इश्यू तो ज़िंदा रहेगा। आप हमारी बात सुनिये, आप हमारी बात ही नहीं सुनने देते हैं।

उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से एक तात्कालिक महत्वपूर्ण विषय की ओर सदन का ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूँ। (व्यवधान)

बिहार और पश्चिम बंगाल में कृषि और वन संरक्षण विभाग की देख-रेख में लापरवाही बरतने के कारण तुलसी, पान के पौधे, शीशम के वृक्ष और आम के मंजर में झड़ लग गया है। तुलसी, पान और शीशम के वृक्ष 80 प्रतिशत सूख चुके हैं। ये पौधे अभी भी सूख रहे हैं। इन पौधों और वृक्षों का अचानक सूखना एक गंभीर चिंता का विषय है। बिहार के अंदर दर्जनों जिले हैं, हाजीपुर में पान की अच्छी खेती होती है। (व्यवधान) आम और लीची की अच्छी खेती होती है। हमारे संसदीय क्षेत्र झंझारपुर में समुरिया से लेकर आधे प्रखंड में पान की खेती से लोग अपनी जीविका चला रहे हैं। आज पान के किसानों में हाहाकार मचा हुआ है। पश्चिम बंगाल में यह हालत है। (व्यवधान)

**\* Not Recorded**

**श्री सुरेश रामराव जाधव (परमनी) :** वहां पौधे सूख रहे हैं और यहां मैम्बर सूख रहे हैं। (व्यवधान)

**श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव :** उपाध्यक्ष महोदय, पान के किसानों में हाहाकार मचा हुआ है। वहां किसानों ने महाजन और बैंक से कर्जा लेकर पान की खेती लगाई थी। आज वे आत्महत्या करने पर उतारू हैं। मैं इस संबंध में एक उदाहरण दे चाहूंगा कि पश्चिम बंगाल के मिदनापुर जिले में गोपी बल्लभपुर गांव में एक किसान श्री अजीम सेठ ने अपनी फसल बर्बाद होते देख खेत में जहर पीकर आत्महत्या कर ली। (व्यवधान) उसी प्रकार से तुलसी का पौधा है। (व्यवधान)

**उपाध्यक्ष महोदय :** भारत सरकार इसके बारे में क्या करे, वह आप बताइये।

...(व्यवधान)

**श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव :** उपाध्यक्ष महोदय, तुलसी का पौधा आयुर्वेद में एक अनमोल दवा है। वह तुलसी का पौधा सूखता जा रहा है। मेरा कहना है कि जो पूजा करने वाले लोग हैं, वे इसके बिना कैसे पूजा करेंगे ? आज तुलसी का पौधा सूखता जा रहा है। इस पर किसी का ध्यान नहीं है। जो बुनियादी समस्या है, उस पर बहस नहीं होता। बहस केवल शौचालय, धर्म और जात पर होती है। क्या यह देश

बनेगा ? आज तुलसी का पौधा सूख रहा है तो पूजा करने वाले लोग कैसे पूजा करेंगे ? (व्यवधान)

90 प्रतिशत तुलसी का पौधा सूख चुका है। इसके सूखने में क्या कारण है, यह आज तक पता नहीं चला। (व्यवधान)

**उपाध्यक्ष महोदय :** तुलसी के पत्ते के लिए भारत सरकार क्या कर रही है, यह बताइये।

...(व्यवधान)

**श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव :** मेरा कहना है कि केन्द्र सरकार यहां से एक सैंट्रल टीम भेजे। जो वैज्ञानिक है, अनुसंधान करने वाले लोग हैं चाहे वह समस्तीपुर के हों या पूसा इंस्टीट्यूट के हों, जो कृषि अनुसंधान विभाग है, वह भारत सरकार के अन्तर्गत आता है। मैं चाहता हूँ कि इस विकट परिस्थिति में किसानों के उन पौधों को बचाने के लिए अभी तक न राज्य सरकार कुछ कर रही है और न केन्द्र सरकार ने कोई प्रयास किया है। प्राकृतिक आपदा के कारण सूख रहे इन पौधों और वृक्षों के लिए एक कृषि वैज्ञानिकों की टीम भेजकर इन पौधों की रक्षा के लिए तुरंत व्यवस्था की जाये। यह बहुत महत्वपूर्ण विषय है। तात्कालिक महत्व का विषय है।

**श्री मदन लाल खुराना :** उपाध्यक्ष महोदय, मैं आज जो मसला उठा रहा हूँ। (व्यवधान)

**उपाध्यक्ष महोदय :** आप बहुत खुशी से उठाइये।

...(व्यवधान)

-----